राजेश्वर कुमार विश्वकर्मा (स० प्राध्यापक)
ताकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
हरिगाँव आरा

दिनांक
27/04/2021

कक्षा – B.Ed 1st year

सत्र – 2020-22

विषय – सामाजिक विज्ञान का शिक्षणशास्त्र - 2

प्रकरण – शिक्षण की ~~वार्ता~~ वार्तालाप विधि

वार्तालाप विधि शिक्षण की एक ऐसी विधि है जिसमें एक विषय ले लिया जाता है और शिक्षक उस विषय पर छात्रों को वार्तालाप करने के लिए प्रेरित करता है यह विधि शिक्षक एवं छात्रों में अन्तः क्रिया के अवसर को बढ़ाती है इस विधि की सफलता के लिए यह आवश्यक है कि छात्रों को अपने विचार प्रकट करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। वार्तालाप विधि में सभी छात्रों को बोलने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए किन्तु शिक्षक एक निरीक्षक तथा निर्देशक के रूप में काम करता रहता है।

ली के अनुसार " वार्तालाप शैक्षिक समूह क्रिया है। इसमें छात्र सहयोग पूर्वक एक दूसरे से किसी समस्या पर विचार करते हैं "

Scanned with CamScanner

वार्तालाप विधि के गुण

① इसमें गलत उपागमों को अनुत्साहित किया जाता है।

② छात्रों में आत्म विश्वास जागृत होता है।

③ अभिवृत्ति के विकास में सहायक है।

④ छात्रों को ध्यानपूर्वक सुनने तथा उचित उत्तर देने के लिए प्रेरित करता है।

⑤ शिक्षक तथा छात्र परस्पर निकट आते हैं और एक दूसरे को अच्छी भाँति समझते हैं।

⑥ ये छात्रों को सक्रिय बनाती है।

⑦ छात्रों की सृजनात्मक विशेषताओं को बढ़ाती है

⑧ यह जनतांत्रिक विधि है।

⑨ इसमें सामाजिक अधिगम के अधिक अवसर प्राप्त होते है।

⑩ इससे ज्ञानात्मक तथा भावात्मक पक्षों के उच्च उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

⑪ इससे तर्क शक्ति बढ़ती है, ज्ञान बढ़ता है तथा अपनी बात कहने का कौशल विकसित होता है।

वार्तालाप विधि की सीमाएँ :-

① सभी छात्र समान रूप से बोल नहीं पाते।

② छात्रों में कभी-2 ईर्ष्या तथा स्पर्धा जगा देती है।

③ छात्र कभी-2 विषय से काफी दूर चले जाते हैं।

Scanned with CamScanner

④ अनावश्यक आलोचना या बालकी खाल निकालने वाले लोग इसके उद्देश्य को नष्ट कर सकते हैं।

वार्तालाप के लिए सुझाव :-

① सभी छात्रों को बोलने के समान अवसर प्रदान किये जाय।

② न बोलने वाले छात्रों को आगे लाया जाय।

③ छात्रों को विचारोत्तेजक प्रश्न पूर्व-2 वार्तालाप के लिए तैयार करना चाहिए।

④ वार्तालाप का प्रकरण पाठ्यक्रम विधा विनियम से तय करना चाहिए।

⑤ केवल रचनात्मक तथा सार्थक आलोचनाओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

⑥ जहाँ तक हो सके विवादास्पद विषयों की उपेक्षा करनी चाहिए।

⑦ शिक्षक को सक्रिय नियंत्रक का कार्य करना चाहिए

⑧ वार्तालाप रोचक सार्थक तथा उद्देश्ययुक्त होना चाहिए।

Scanned with CamScanner